मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

BSKG–173

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.एस.के.जी.-173 : आधार संस्कृत

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। सभी खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड—अ

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$2 \times 15 = 30$

(i) संस्कृत भाषा के क्रियारूपों का परिचय दीजिए।

(ii) वाच्य किसे कहते हैं ? वाच्य परिवर्तन के नियमों को लिखिए।

(iii) गीता के बारहवें अध्याय का सार लिखिए।

(iv) कृत् प्रत्ययों का परिचय दीजिए।

खण्ड—ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(i) लृट् लकार का प्रयोग कहाँ किया जाता है ?

(ii) उत्तम पुरुष किसे कहते हैं ?

(iii) संस्कृत धातुओं के कुल कितने गण हैं ?

(iv) 'के लिए' इस अर्थ में कौन-सा कारक होता है ?

(v) सर्वनाम किसे कहते हैं ?

(vi) अधिकरण कारक में कौन-सी विभक्ति होती है ?

3. निम्नलिखित वाक्यों में विभक्ति अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 10

(i) सः ..... पठति। (विद्यालयम्/विद्यालये)

(ii) ..... गच्छतः। (छात्रः/छात्रौ)

(iii) अहम् ..... । (हसामि/हसति)

(iv) सुवर्णा नृत्यं ..... । (जानाति/जानीवः)

(v) रोहितः ..... सह क्रीडति। (मोहनेन/मोहनस्य)

4. निम्नलिखित शब्दों एवं धातुओं के निर्देशानुसार रूप लिखिए : 10

(i) श्रु धातु, लट् लकार **अथवा** लभ् धातु, लट् लकार

(ii) अस्मद् के प्रथमा एवं द्वितीया विभक्ति

अथवा

राम के द्वितीया एवं चतुर्थी विभक्ति

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** धातुओं के निर्देशानुसार प्रत्यय जोड़कर रूप लिखिए : 10

(i) कृ धातु, क्त्वा प्रत्यय

(ii) ज्ञा धातु, तुमुन् प्रत्यय

(iii) पठ् धातु, शतृ प्रत्यय, पुल्लिङ्ग

(iv) चल् धातु, क्त्वतु प्रत्यय, स्त्रीलिङ्ग

(v) हस् धातु, तुमुन् प्रत्यय

(vi) गम् धातु, क्त्वा प्रत्यय

(vii) गा धातु, तुमुन् प्रत्यय

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पदों में नामोल्लेख सहित सन्धि कीजिए : 10

(i) राका + ईश

(ii) भानु + उदय

(iii) कः + अपि

(iv) निः + चल

(v) इति + उभो

(vi) वृथा + अटनम्

(vii) एक + एक

खण्ड—स

(व्याख्या आधारित प्रश्न)

7. निम्नलिखित श्लोकों में से किसी **एक** की व्याख्या कीजिए तथा रेखाङ्कित पदों में से किन्हीं **दो** पदों की व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ लिखिए : 20

(i) एवं सततयुक्ता ये भक्तास्त्वां पर्युपासते।

ये चाप्यक्षरमव्यक्तं तेषां के योगवित्तमाः॥

(ii) अथैतदप्यशक्तोऽसि कर्तुं मद्योगमाश्रितः।

सर्वकर्मफलत्यागं ततः कुरु यतात्मवान्॥

× × × × ×